प्रकाशनार्थ

28 सितंबर, 2024 गोरखपुर

देश के महान क्रांतिकारी भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पाकिस्तान वाले पंजाब में बंगा गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम किशन सिंह और माता का नाम विद्यावती था। बचपन से ही उन्होंने घर में ऐसा माहौल देखा था, जिसकी वजह से उनके अंदर देशभक्ति की भावना उत्पन्न हुई थी। इन्होंने एक नारा भी दिया था 'इंकलाब जिन्दाबाद' जिसका अर्थ है ''क्रांति अमर रहे ''। आज इन्हीं के तत्वधान में हमारें गुरू श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक में एक शिविर का आयोजन किया गया।
रक्तदान शिविर के बारे में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने कहा कि वे सर्वप्रथम लोगों के प्रति खुशी व्यक्त करते हुए धन्यवाद देते हैं और उन्होंने कहा कि युवाओं में रक्तदान को लेकर बहुत सारी भ्रांतिया दूर हो रही हैं और वह अब रक्तदान के प्रति जागरूक हो गए हैं, स्वयं भी रक्तदान कर रहे हैं और लोगों को प्रेरित भी करते हैं। यह मानवता के लिए एक अच्छा संदेश है।
रक्तदान के बारे में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अग्रवाल ने आगे यह बताया की एक युनिट ब्लड से तीन जिंदगी बचाई जा सकती है। उन्होंने शिविर में जागरूकता के लिए उपस्थित रक्तदाताओं से कहा की रक्तदान करने से स्वयं का शरीर भी स्वस्थ रहता है और कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा मिलता हैं। ऐसे में समय-समय पर रक्तदान अवश्य ही करते रहना चाहिए । चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डाक्टर कुशवाहा ने रक्तदाताओं को रक्तदान से संबंधित आवश्यक जानकारियों से अवगत कराया, इनकी उपस्थिति से रक्तदाताओं में भारी उत्साह वर्धन हुआ तथा रक्तदान के संबंध में अनावश्यक भ्रांतियों को भी दूर किया गया।
इस अवसर पर कुल 25 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया जैसे:- अरून कुमार, विनोद यादव, नगिना यादव, राजेन्द्र प्रसाद, अमित कुमार, आदित्य प्रकाश आदि लोगों ने रक्तदान किया।
इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में ब्लड बैंक अधिकारी, टेक्नीशियन, एवं कर्मचारीयों का महत्वपुर्ण योगदान रहा।